पाठ्यक्रम संरचना
सत्र – 2019–20
कक्षा – XII
विषय – भूगोल (N-102)

पूर्णांक – 100

सैद्धांतिक – 70
प्रायोजना – 30

क्रमांक	इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
भाग–A		**मानव भूगोल के मूल सिद्धांत**	**35 (30+5)**	**90**
1.	1	मानव भूगोल : प्रकृति एवं विषय क्षेत्र		05
2.	2	● विश्व जनसंख्या : वितरण, घनत्व और वृद्धि ● जनसंख्या संघटन ● मानव विकास		18
3.	3	● प्राथमिक क्रियाएँ ● द्वितीयक क्रियाएँ ● तृतीयक एवं चतुर्थ क्रियाकलाप ● परिवहन एवं संचार ● अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	30	52
4.	4	● मानव बस्ती		10
		● नक्शा कार्य	05	05
भाग–B		**भारत : लोग और अर्थव्यवस्था**	**35(30+5)**	**90**
5.	5	● जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन ● प्रवास : प्रकार, कारण, परिणाम ● मानव विकास		15
6.	6	● मानव बस्ती		10
7.	7	● भूसंसाधन एवं कृषि ● जल संसाधन ● खनिज तथा ऊर्जा संसाधन ● निर्माण उद्योग ● भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास	30	30
8.	8	● परिवहन तथा संचार ● अंतर्राष्ट्रीय व्यापार		15
9.	9	● भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ ● छत्तीसगढ़ : लोग और अर्थव्यवस्था		15
		● नक्शा कार्य	05	05
योग			**70**	**180**
भाग –C प्रयोगात्मक कार्य	**1.** **2.**	● आकड़े : स्त्रोत और संकलन ● आंकड़ो का प्रक्रमण ● आंकड़ो का आलेखीय निरूपण ● आंकड़ो का प्रक्रमण एवं मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग ● क्षेत्रीय सर्वेक्षण ● स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी	**30**	40
महायोग			**100**	**220**

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

पाठ्यक्रम (2019–20)

कक्षा 12वी

विषय – भूगोल (N-102)

इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड

(I) मानव भूगोल के मूल सिध्दान्त (35 अंक) **90 कालखण्ड**

इकाई–1.

अध्याय –1 मानव भूगोल–प्रकृति एवं विषय क्षेत्र –

मानव भूगोल की प्रकृति, मानव का प्राकृतीकरण और प्रकृति का मानवीकरण, मानव भूगोल के क्षेत्र।

इकाई–2.

अध्याय–2 विश्व जनसंख्या–वितरण, घनत्व और वृध्दि–

विश्व में जनसंख्या वितरण के प्रारूप, जनसंख्या वृध्दि, जनसंख्या परिवर्तन के घटक, जनसंख्या वृध्दि की प्रवृत्तियॉ, जनसंख्या परिवर्तन के स्थानिक प्रारूप, जनसंख्या परिवर्तन का प्रभाव, जनांकिकीय संक्रमण, जनसंख्या नियंत्रण के उपाय।

अध्याय–3 जनसंख्या संघटन–

लिंग संघटन, आयु संरचना, आयु–लिंग पिरामिड, स्थिर जनसंख्या, ह्रासमान जनसंख्या, ग्रमीण–नगरीय संघटन, साक्षरता, व्यावसायिक संरचना।

अध्याय–4 मानव विकास–

वृध्दि और विकास, मानव विकास के चार स्तंभ, मानव विकास के उपागम, मानव विकास का मापन, अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ।

इकाई–3.

अध्याय–5 प्राथमिक क्रियाएँ–

आखेट एवं भोजन संग्रह, पशुचारण, चलवासी पशुचारण, वाणिज्य पशुधन पालन, कृषि– निर्वाह कृषि, आदिकालीन निर्वाह कृषि, गहन निर्वाह कृषि, रोपण कृषि, विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि, मिश्रित कृषि, डेरी कृषि, भूमध्यसागरीय कृषि, बाजार के लिए सब्जी खेती एवं उद्यान कृषि, सहकारी कृषि, सामुहिक कृषि, खनन, खनन कार्य को प्रभावित करने वाले कारक।

अध्याय–6 द्वितीयक क्रियाएँ–

विनिर्माण, आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ, कौशल का विशिष्टीकरण/उत्पादन की विधियॉ, यंत्रीकरण, प्रौद्योगिकीय नवाचार, संगठनात्मक ढॉचा एवं स्तरीकरण, अनियमित भौगोलिक वितरण, बाजार तक अभिगम्यता, कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता, श्रम आपुर्ति तक अभिगम्यता, शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता,परिवहन एवं संचार सुविधाओं तक अभिगम्यता, सरकारी नीति, समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता/उद्योगो, के मध्य संबंध, विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण– कुटीर उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योग, बड़े पैमाने के उद्योग, कच्चे माल पर आधारित उद्योग–कृषि आधारित, खनिज आधारित उद्योग, रसायन आधारित उद्योग, वनों पर आधारित उद्योग, पशु आधारित उद्योग, उत्पादन, उत्पाद आधारित उद्योग, स्वामित्व के

आधार पर उद्योग, परंपरागत बड़े पैमाने वाले औद्यौगिक प्रदेश, जर्मनी का रूहर कोयला क्षेत्र, लौह इस्पात उद्योग, सूती कपड़ा उद्योग उच्च प्रौद्यौगिकी की संकल्पना।

अध्याय–7 तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप–

तृतीयक क्रियाकलापों के प्रकार, व्यापार और वाणिज्य, फुटकर व्यापार, थोक व्यापार, परिवहन, परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक, संचार, दूरसंचार सेवाएँ, तृतीयक क्रियाकलापों में संलग्न लोग, कुछ चयनित उदाहरण–पर्यटन, पर्यटक प्रदेश, पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक, पर्यटन आकर्षण, भारत में समुद्रपार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ, चतुर्थ क्रियाकलाप, पंचम क्रियाकलाप।

अध्याय–8 परिवहन एवं संचार–

परिवहन, परिवहन की विधाएँ, सड़क परिवहन, महामार्ग, सीमावर्ती सड़कें, रेलमार्ग, पारमहाद्वीपीय रेल–मार्ग, पार–साइबेरियन रेलमार्ग, पार–कैनेडियन रेलमार्ग, संघ और प्रशांत रेलमार्ग, आस्ट्रेलियाई पारमहाद्विपीय रेलमार्ग, ओरिएंट एक्सप्रेस, जल परिवहन, समुद्री मार्ग, महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग– उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग, भूमध्यसागर– हिन्दमहासागरीय समुद्री मार्ग, उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग, दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग, उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग, दक्षिणी प्रशांत समुद्री मार्ग तटीय नौ परिवहन, नौ परिवहन नहरें–स्वेज नहर, पनामा नहर, आंतरिक जलमार्ग, वायु परिवहन, अंतर–महाद्वीपीय वायुमार्ग, पाइपलाइन, संचार, उपग्रह संचार, साइबर स्पेस–इंटरनेट।

अध्याय–9 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार–

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्वपूर्ण पक्ष, व्यापार संतुलन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार, मुक्त व्यापार की स्थिति, विश्व व्यापार संगठन, प्रादेशिक व्यापार समूह, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार–पत्तन, पत्तन के प्रकार।

इकाई–4.

अध्याय–10 मानव बस्ती

बस्तियों का वर्गीकरण– ग्रामीण नगरीय द्विभाजन, बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप, ग्रामीण बस्ती, ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप, ग्रामीण बस्तीयों की समस्याएँ, नगरीय बस्तियॉ, नगरीय बस्तियों का वर्गीकरण, नगरीय क्षेत्रों के कार्य, आकृति के आधार पर नगरों का वर्गीकरण, नगरीय बस्तियों के प्रकार विकासशील देशों में मानव बस्तियों की समस्याएँ, नगरीय बस्तियों की समस्याएँ, ।

(II) भारत : लोग और अर्थव्यवस्था (35 अंक) 90 कालखण्ड़

इकाई–5.

अध्याय –1 जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृध्दि और संघटन –

जनसंख्या का वितरण, जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या की वृध्दि, जनसंख्या वृध्दि में क्षेत्रीय भिन्नताऐं, जनसंख्या संघटन, ग्रामीण–नगरीय संघटन, भाषाई संघटन, भाषाई वर्गीकरण, धार्मिक संघटन, श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन, श्रम की प्रतिभागिता दर क्या होती है?

अध्याय–2 प्रवास–प्रकार, कारण और परिणाम–

प्रवास–प्रवास की धाराएँ, प्रवास में स्थानिक विभिन्नता, प्रवास के कारण, प्रवास के परिणाम।

अध्याय–3 मानव विकास–

भाारत में मानव विकास, आर्थिक उपलब्धियों के सूचक, स्वस्थ जीवन के सूचक, सामाजिक सशक्तिकरण के सूचक, भारत में मानव विकास सूचकांक, जनसंख्या, पर्यावरण और विकास।

इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड

इकाई–6.

अध्याय–4 मानव बस्तियाँ–

ग्रामीण बस्तियों के प्रकार– गुच्छित बस्तियाँ, अर्द्ध गुच्छित बस्तियाँ, पल्ली बस्तियाँ, परिक्षिप्त बस्तियाँ, नगरीय बस्तियाँ, भारत में नगरों का विकास, भारत में नगरीकरण, जनसंख्या आकार के आधार पर नगरों का वर्गीकरण, नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण।

इकाई–7.

अध्याय–5 भूसंसाधन तथा कृषि–

भू–उपयोग वर्गीकरण, भारत में भू–उपयोग परिवर्तन, भारत में कृषि भू–उपयोग, भारत में फसल ऋतुएँ कृषि के प्रकार, खद्यान्न फसल, तिलहन रेशेदार फसलें– भारत में कृषि विकास, कृषि उत्पादन में वृध्दि तथा प्रौद्योगिकी का विकास, भारतीय कृषि की समस्याएँ।

अध्याय–6 जल संसाधन–

भारत के जल संसाधन– धरातलीय जल संसाधन, भौम जल संसाधन, लैगून और पश्च जल, संभावित जल समस्या, जल के गुणों का ह्रास, जल संरक्षण और प्रबंधन।

अध्याय–7 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन–

खनिज संसाधनों के प्रकार, भारत में खनिजों का वितरण– लौह खनिज, अलौह– खनिज, अधात्विक खनिज ऊर्जा संसाधन अपरंपरागत ऊर्जा स्त्रोत– खनिज संसाधनों का संरक्षण।

अध्याय–8 निर्माण उद्योग–

उद्योगो के प्रकार, उद्योगों की स्थिति– मुख्य उद्योग, लौह–इस्पात उद्योग, एकीकृत इस्पात कारखाने– सूती वस्त्र उद्योग, भारत में उदारीकरण, निजीकरण, तथा वैश्वीकरण एवं औद्योगिक विकास, भारत के औद्योगिक प्रदेश–कोलम तिरूवनंतपुरम प्रदेश।

अध्याय–9 भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास–

लक्ष्य क्षेत्र नियोजन, पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम, केस अध्ययन–भरमौर क्षेत्र में समन्वित जनजातीय विकास कार्यक्रम, सतत पोषणीय विकास, केस अध्ययन–इंदिरा गॉधी नहर कमान क्षेत्र,सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय।

इकाई–8.

अध्याय–10 परिवहन तथा संचार–

स्थल परिवहन, सड़क परिवहन, राष्ट्रीय महामार्ग, राज्य महामार्ग, ग्रामीण सड़कें, अन्य सड़कें, रेल परिवहन, जल परिवहन–अंतः स्थलीय जलमार्ग, महासागरीय मार्ग, वायु परिवहन, संचार जाल, टेलीविजन (टी0वी0), उपग्रह संचार।

अध्याय–11 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार–

भारत का विदेशी व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापाार के मुख्य पत्तन एवं समुद्री मार्ग, वायु मार्ग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (WTO) की भूमिका।

इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड

इकाई–9.

अध्याय–12 भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ–

पर्यावरण प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, नगरीय अपशिष्ट निपटान, ग्रामीण–शहरी प्रवास, केस अध्ययन, टिप्पणी, गंदी बस्तियों की समस्याएँ, भू–निम्नीकरण, केस अध्ययन ।

अध्याय–13 छत्तीसगढ़ लोग और अर्थव्यवस्था–

जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व, जनसंख्या की वृध्दि, जनसंख्या संघटन, ग्रामीण नगरीय संघटन, सामाजिक विविधता, साक्षरता और शिक्षा संघटन, छत्तीसगढ़ के खनिज संसाधन, छत्तीसगढ़ के प्रमुख उद्योग–खनिज आधारित उद्योग, कृषि आधारित उद्योग, वन आधारित उद्योग, छत्तीसगढ़ः भूसंसाधन कृषि और जलसंसाधन, छत्तीसगढ़ मे भू–संसाधन तथा कृषि, छत्तीसगढ़ में फसल ऋतुएँ, छत्तीसगढ़ की कृषि की विशेषताएँ, कृषि की समस्याएँ, कृषि के विकास के प्रयास, उद्यानिकी कृषि (बागाती कृषि), छत्तीसगढ़ में जलसंसाधन, सिंचाई, छत्तीसगढ़ में उपलब्ध जलस्त्रोत, छत्तीसगढ़ पर्यटन।

(III) भूगोल में प्रयोगात्मक कार्य

इकाई–1 **अध्याय –1 आँकड़े : स्त्रोत और संकलन–**

आंकड़े क्या है? आँकड़ों की आवश्यकता, आँकड़ों का प्रस्तुतिकरण, आँकड़ों के स्त्रोत– प्राथमिक आँकड़ों के साधन, आँकड़ों के द्वितीयक स्त्रोत, आँकड़ों का सारणीयन और वर्गीकरण, आँकड़ों का संग्रह और प्रस्तुतीकरण, आँकड़ों का प्रक्रमण, आँकड़ों का वर्गीकरण, वर्गीकरण की प्रक्रिया।

अध्याय –2 आँकड़ों का प्रक्रमण–

केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप, माध्य, माध्यिका, बहुलक, माध्य, माध्यिका तथा बहुलक की तुलना, प्रकीर्णन के माप, प्रकीर्णन के मापन की विधियाँ, कोटि सहसंबंध, सहसंबंध की दिशा, सहसंबंध की गहनता, सहसंबंध की गणना करने की विधियाँ।

अध्याय –3 आँकड़ों का आलेखी निरूपण–

आँकड़ों का प्रदर्शन, आलेखों, आरेखों और मानचित्रों के चित्रांकन के सामान्य नियम, आरेखों की रचना– रेखा ग्राफ, दंड आरेख, वृत्त आरेख, प्रवाह संचित्र, थिमैटिक मानचित्र, बिंदुकित मानचित्र, वर्णमात्री मानचित्र, सममान रेखा मानचित्र।

अध्याय –4 आँकड़ों का प्रक्रमण एवं मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग–

एक कंप्यूटर क्या कर सकता है? हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर संबंधी आवश्यकताएँ, आपके प्रयोग के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर , केन्द्रीय प्रवृत्तियाँ, आलेखों की रचना, कंप्यूटर सहायक मानचित्रण, मानचित्रण सॉफ्टवेयर तथा उनके प्रकार्य।

इकाई–2 **अध्याय –5 क्षेत्रीय सर्वेक्षण–**

क्षेत्रीय सर्वेक्षण क्यों आवश्यक है? क्षेत्रीय सर्वेक्षण की कार्यविधि, क्षेत्रीय सर्वेक्षण एक चयनित, अध्ययन, गरीबी का क्षेत्रीय सर्वेक्षण, विस्तार, निर्धारक व परिणाम, सूखे का क्षेत्रीय अध्ययन बेलगॉव जिला, कर्नाटक का एक अध्ययन।

अध्याय –6 स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी–

स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी क्या है? भौगोलिक सूचना तंत्र (GIS) क्या है? हस्तेन विधियों की तुलना में भौगोलिक सूचना तंत्र के लाभ, भौगोलिक सूचना तंत्र के घटक, स्थानिक आंकड़ा फॉर्मेट, भौगोलिक सूचना तंत्र की क्रियाओं का अनुक्रम।

योग (सैद्धांतिक)	**70**	**180**
प्रायोगिक कार्य	**30**	**40**
महायोग	**100**	**220**

प्रायोगिक कार्य की मूल्यांकन योजना
सत्र – 2019–20
कक्षा – XII
विषय – भूगोल (Geography)
Subject Code – (N-102)
प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

समय : 03 घण्टे | अधिकतम अंक : 30 अंक

(Time : Three Hours) | **(Max. Marks 30)**

स.क्र. S.No.	इकाई	विषयवस्तु (Heading)	अंक Marks allotted
1.	I	आकड़े : स्त्रोत और संकलन	15
2.		आंकड़ो का प्रक्रमण	
3.		आंकड़ो का आलेखीय निरूपण	
4.		आंकड़ो का प्रक्रमण एवं मानचित्रण में कम्प्यूटर का उपयोग	
5.	II	क्षेत्रीय सर्वेक्षण	10
6.		स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी	
7.	III	प्रायोगिक रिकार्ड एवं मौखिक परीक्षा	05
		योग	30 अंक